सूर्य झरोखे बैठकर

राम चमक रहे भानु समाना

आचार्य श्री रामलाल जी म.सा.

सूर्य झरोखे बैठकर आचार्य श्री रामलाल जी म.सा.

“ आदमी को अपने गुणों का संवर्धन करना चाहिए। गुण और चारित्रनिष्ठा ही सबसे बड़ी चीज है। बेईमानी, अनैतिकता और अप्रामाणिकता दुर्गुण हैं। एक तरफ आदमी बेईमानी करे और एक तरफ धर्म की आराधना करे तो वह धर्म की आराधना, धर्म को ऊंचा उठाने वाली नहीं होगी। धर्म को बदनाम कराने वाली होगी। ”

राम चमक रहे भानु समाना

978-93-86952-83-7

9 789386 952837

Price : ₹ 100/-

प्रकाशक
साधुमार्गी पब्लिकेशन
अन्तर्गत-श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ
समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग
श्री जैन पी.जी. कॉलेज के सामने, नोखा रोड
गंगाशहर, बीकानेर 334401 (राज.)
दूरभाष : 0151-2270261, 3292177, 0151-2270359

visit us : www.sadhumargi.com
e-mail : absjsbkn@yahoo.co.in

जीवन परिचय

आचार्य श्री रामलालजी म.सा.

निवासी	: देशनोक
पिता का नाम	: श्री नेमचन्दजी भूरा
माता का नाम	: श्रीमती गवराबाई भूरा
गोत्र	: भूरा
जन्म तिथि	: चैत्र सुदी 14 संवत् 2009
दीक्षा तिथि	: माघ सुदी 12 संवत् 2031
दीक्षा स्थल	: देशनोक
दीक्षा गुरु	: आचार्य श्री नानेश
दीक्षा के समय उम्र	: 22 वर्ष 9 माह 28 दिन
युवाचार्य पद तिथि	: फाल्गुन सुदी 3 संवत् 2048
युवाचार्य पद प्रदान स्थल	: बीकानेर
युवाचार्य पद के समय दीक्षा पर्याय	: 17 वर्ष 21 दिन
युवाचार्य पद के समय उम्र	: 39 वर्ष 10 माह 19 दिन
युवाचार्य काल	: 7 वर्ष 7 माह 15 दिन
आचार्य पद तिथि	: कार्तिक बदी 3 संवत् 2056
आचार्य पद स्थल	: उदयपुर
आचार्य पद के समय उम्र	: 47 वर्ष 6 माह 4 दिन
आचार्य पद के समय दीक्षा पर्याय	: 24 वर्ष 8 माह 6 दिन

आचार्य श्री रामलालजी म.सा.के प्रवचनों की अन्य पुस्तकें